**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

**राज्य सभा**

अतारांकित प्रश्न सं. 1189

उत्तर देने की तारीख 20.12.2018

**विदेशी संकायों को संविदा पर रखना**

1189. श्री संजय राउतः

 श्रीमती शांता छत्रीः

 क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश भर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी है;

(ख) क्या मंत्रालय रिक्तियों को भरने के लिए विदेशी शिक्षकों अथवा अतिथि व्याख्याता को पारिश्रमिक के आधार पर रखने की कोशिश कर रहा है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन संस्थानों में उच्चतर शिक्षा को सुचारू बनाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री**

**(डॉ. सत्य पाल सिंह)**

(क) से (ग): रिक्तियों का होना और उन्हें उचित, योग्य उम्मीदवारों द्वारा भरा जाना एक निरंतर प्रक्रिया है। आईआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालय संसद के अधिनियम के तहत स्थापित स्वायत्त संस्थाएं हैं और रिक्त पदों को भरे जाने का दायित्व भी उन्ही पर है। आईआईटी में संकायों की संयुक्त संस्वीकृत संख्या 8856 है जिसमें से 2813 की रिक्तियों के साथ 6043 पद भरे हुए हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में, 5606 रिक्तियों के साथ 17092 की संस्वीकृत संख्या में से 11,486 संकाय सदस्य पद भरे हुए हैं।

संकायों की कमी को पूरा करने के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं, जैसे पैन आईआईटी फैकल्टी पूल का सृजन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की वज्र स्कीम का प्रभावी उपयोग, स्थायी संकाय के रूप में पात्र ओसीआई कार्ड धारकों की नियुक्ति, बाधामुक्त वीज़ा सुविधा प्रदान करके विदेशियों को संविदा और सहायक संकाय पदों पर रखना, संकायों को एक संस्थान से दूसरे संस्थान में, उनके पेंशन लाभ को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किये बिना लंबी अवधि पर प्रतिनियुक्ति। इसके अलावा, सरकार ने भारत में उच्चतर शैक्षिक संस्थाओं में पाठ्यक्रमों को पढ़ाने हेतु विदेशी संकायों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों को सक्षम बनाने के लिए वैश्विक शैक्षणिक नेटवर्क पहल (ज्ञान) की शुरुआत की है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का ऑपरेशन फैकल्टी रिचार्ज कार्यक्रम अनुसंधान का संवर्धन करने और विश्वविद्यालय के शिक्षण संसाधनों एवं संकाय की कमी को पूरा करने पर फोकस करता है।

**\*\*\*\*\***